समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

हमले के खौफ मे पांकिस्तान ! पेशावर, एबटाबाद, स्वात समेत इन 29 जिलों मे लंगा रहा एयर सायरन ।

Publisher Published on 02 May 2025

भारत की तरफ से हमले के डर से पाकिस्तान ने खैबर पख्तूनख्वा के 29 जिलों में एयर सायरन लगाए हैं. क्या भारत पहलगाम हमले का बदला लेने की तैयारी में है ?

भारत के साथ बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान हर दिन भारत के हमले में खौफ में जी रहा है. हर रोज उसके मंत्री बयान दे रहे हैं कि भारत कभी भी हमला कर सकता है तो अब LoC से सैकड़ो किलोमीटर दूर पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (KPK) प्रांत की सरकार ने 29 जिलों में सायरन सिस्टम लगाने का आदेश दिया है, जिसमें पेशावर और एबटाबाद भी शामिल है.

खैबर पख्तूनख्वा सरकार के नागरिक सुरक्षा विभाग ने सभी डिप्टी कमिश्नरों और सिविल डिफेंस अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे आपातकालीन चेतावनी के लिए इन सायरनों को तुरंत लगवाकर रिपोर्ट भेजें. आदेश के मुताबिक पेशावर, एबटाबाद, मर्दान, कोहाट, स्वात, डेरा इस्माइल खान और बन्नू जैसे बड़े शहरो में चार-चार सायरन लगाए जाएंगे और बाकी के 22 जिलों में एक-एक सायरन लगाया जा रहा है, जिसमें लोअर दीर, चितराल, कुर्रम, नौशेरा, हरिपुर, बाजौर, हंगू, वज़ीरिस्तान, ओरकजई जैसे इलाके शामिल हैं.

LoC से काफी दूर हैं
गौर करने वाली बात यह है कि ये सभी जिले LoC से काफी दूर हैं. कुछ जिले तो 300 से 500 किलोमीटर की दूर हैं. इसके बावजूद वहां सायरन लगवाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि पाकिस्तान को यह डर सता रहा है कि भारत किसी भी समय पहलगाम पर हुए आतंकी हमले पर जवाबी सैन्य कार्रवाई कर सकता है.

एयर सायरन लगाने की तस्वीरें आईं सामने
पाकिस्तान के बाजौर इलाके में भी एयर सायरन लगाने की तस्वीरें आई थीं. पाकिस्तान LoC से कई किलोमीटर दूर इलाको से

लेकर अफगानिस्तान सीमा पर मौजूद इलाको पर भी एयर सायरन लगा रहा है, इसकी वजह ये भी हो सकती है कि पाकिस्तान को डर सता रहा हो कि कहीं भारत अफगानिस्तान की तरफ से पाकिस्तान पर हमला ना कर दे. पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भारत ने सख्त कदम उठाए हैं. इसकी वजह से पाकिस्तान काफी डरा हुआ है. पाक आर्मी बौखलाहट में वॉर ड्रिल भी कर रही है.

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.